दैनिक

महाराष्ट्र समाचार

संपादक :अकबर खान

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

वर्ष:14 अंक:33 मुंबई, शुक्रवार,30 अक्टूबर-2026 E-mail:dailymaharashtrasamachar@gmail.com मूल्य 3.00 रूपया पृष्ठ - 06 RNI.No.MAHHIN/2013/53656

यूपी में व्यवस्था परिवर्तन के लिए हिंसा पड़ेगी भारी!

सरकार ने बनाया नया नियम, नौकरी पर छाएगा संकट



लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में व्यवस्था बदलने के लिए युवा अगर सड़क पर उतरकर हिंसा करते हैं तो उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। राज्य सरकार ने अलग-अलग विभागों, परिषदों, निगमों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले कैंडीडेट्स के चरित्र प्रमाण पत्र से जुड़े नियमों में यह बदलाव किया है। यूपी में नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव एम. देवराज ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति ऐसे संगठन का सदस्य है, जिसका मकसद हिंसा के जरिए समाज की व्यवस्था बदलना है, तो उसे सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य माना जाएगा।

21 साल की उम्र के बाद की गतिविधियां नोट की जाएंगी

नए नियमों में उम्र और समय से जुड़ी शर्त भी रखी गई है। 21 साल की उम्र पूरी करने के बाद किसी व्यक्ति की ऐसी गतिविधियों को देखा जाएगा। संबंधित मामले की जांच की तारीख से तीन साल के भीतर अगर वह व्यवस्था परिवर्तन से जुड़े प्रदर्शनों में शामिल पाया जाता है, तो माना जाएगा कि वह अब भी ऐसी गतिविधियों में शामिल है। हालांकि, इस दौरान व्यक्ति की सोच और व्यवहार में अच्छा बदलाव दिखाई देता है, तो उसे सरकारी नौकरी देने पर विचार किया जा सकेगा। यानी ऐसे मामलों में व्यक्ति के व्यवहार और उसमें आए बदलाव को भी ध्यान में रखा जाएगा।

बंगाल बॉर्डर पर 'फेंसिंग' देख तिलमिलाया बांग्लादेश

जवानों पर फेंके पत्थर तो बीएसएफ ने दिया मुंहतोड़ जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है। शुभेंदु अधिकारी सरकार द्वारा 1100 एकड़ से अधिक जमीन सौंपे जाने के बाद, सीमा सुरक्षा बल ने कई संवेदनशील इलाकों में निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह जमीन कई सालों से उपलब्ध नहीं हो पा रही थी। राज्य के गृह विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने मई से अब तक बीएसएफ को 1177.1 एकड़ जमीन सौंपी है। इससे एक बड़ी प्रशासनिक बाधा दूर हो गई है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय सीमा के कुछ हिस्सों पर बाड़ लगाने का काम रुका हुआ था। इधर भारत- बांग्लादेश बॉर्डर पर फेसिंग का काम देखकर पड़ोसी देश तिलमिला गया है। बंगाल की ओर हो रही बाड़बंदी अब नजर आने लगी है। ऐसे में बाग्लादेश तिलमिला रहा है।



113 किमी नदी वाला इलाका

पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश के साथ भारत की 4,096.7 किलोमीटर लंबी सीमा का लगभग 2,216.7 किलोमीटर हिस्सा साझा करता है। इस तरह, अंतरराष्ट्रीय सीमा का सबसे लंबा हिस्सा इसी राज्य में पड़ता है। मई में जब मौजूदा राज्य सरकार सत्ता में आई, तब पश्चिम बंगाल में सीमा का 563 किलोमीटर से अधिक हिस्सा बिना बाड़ के था।

नदी वाले इलाके और सीमावर्ती गांव बड़ी चुनौतियां

इतनी प्रगति के बावजूद, पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है जहां अभी तक पारंपरिक बाड़ नहीं लगाई गई है। हाल के अनुमानों के अनुसार, राज्य की लगभग 569 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अभी भी बाड़ नहीं लगी है। हालांकि, इस हिस्से में कुछ जगहें ऐसी हैं जहां नदियां हैं या वहां की भौगोलिक स्थिति ऐसी है, जहां सामान्य तरीके से बाड़ नहीं लगाई जा सकती। जीरो लाइन के पास लगभग 360 गांवों का होना, जिनकी कुल आबादी करीब 70,000 है, सीमा पर बाड़ लगाने और निर्माण कार्य को और जटिल बना देता है। कई इलाकों में कृषि भूमि, घर और स्थानीय रास्ते अंतरराष्ट्रीय सीमा के बहुत करीब हैं। ऐसे में, निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सुरक्षा एजेंसियों, स्थानीय प्रशासन और वहां रहने वाले लोगों के बीच तालमेल बिठाना जरूरी हो जाता है।

संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में निर्माण कार्य जारी

मुर्शिदाबाद के जलांगी जैसी जगहों पर बाड़ लगाने का काम शुरू हो गया है। यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास खेतों के किनारे एक्स आकार के कंटीले तारों वाले ढांचे और जालीदार पैनल लगाए जा रहे हैं। इस काम का उद्देश्य मौजूदा बाड़ नेटवर्क में मौजूद खाली जगहों को भरना और संवेदनशील हिस्सों पर आवाजाही की निगरानी करने की बीएसएफ की क्षमता को मजबूत करना है। बाड़ लगाने के लिए सबसे अधिक जमीन मुर्शिदाबाद को आवंटित की गई है, जहां 362.8 एकड़ जमीन बीएसएफ को सौंपी गई है। इसके बाद मालदा को 247.7 एकड़ और उत्तर 24 परगना को 243.7 एकड़ जमीन दी गई है। नदिया, कूच बिहार, जलपाईगुड़ी और दिनाजपुर जिलों में भी जमीन सौंपी गई है। इन इलाकों में जमीन की उपलब्धता और अन्य प्रशासनिक मुद्दों के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

आरएसएस में पहली बार बनेंगी राज्य इकाइयां

11 क्षेत्र घटकर अब 9 होंगे, 46 प्रांतों से 90 संभाग बनेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित बदलावों में क्षेत्र घटाना और नए संभाग बनाना शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के 11 क्षेत्र घटाकर 9 किए जाएंगे। मौजूदा 46 प्रांतों की जगह करीब 90 संभाग बनाए जाएंगे। संघ पहली बार राज्य स्तर पर संगठनात्मक इकाइयां बनाएगा। इनमें केवल राज्य प्रचारक और राज्य कार्यवाह होंगे। इस व्यवस्था में



राज्य संघचालक का पद नहीं होगा। संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक 2 से 4 नवंबर तक मध्यप्रदेश के इंदौर में होगी। तीन दिन की बैठक में संगठन के पुनर्गठन, शताब्दी वर्ष की गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

संगठन में विकेंद्रीकरण की तैयारी

प्रस्तावित बदलावों का मकसद संघ के कामकाज को विकेंद्रीकृत करना है। इसके तहत जिम्मेदारियां ज्यादा प्रभावी ढंग से बांटी जाएंगी और अलग-अलग स्तरों पर तालमेल बेहतर किया जाएगा। अधिक संख्या में संभाग बनने से संगठनात्मक गतिविधियों का प्रबंधन आसान होने की उम्मीद है।

आजम को जमानत, लेकिन बाहर आना होगा मुश्किल

बेटा जेल से छूटेगा, 2 पैन कार्ड मामले में 10 साल की सजा सस्पेंड

लखनऊ (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला की 10 साल की सजा को हाईकोर्ट ने सस्पेंड कर दिया। दोनों को जमानत भी दे दी। गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डबल पैन कार्ड मामले में यह फैसला सुनाया है। हालांकि, कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने से



इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब्दुल्ला के जेल से बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, आजम अभी जेल से बाहर आएंगे या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। वजह आजम के खिलाफ अभी दो पेंडिंग केस हैं। आजम के खिलाफ एक मामला ईडी ने हाल ही में दर्ज किया है। जबकि एक मामला 10 सितंबर का है, जिसमें यूपी विजिलेंस ने आजम के खिलाफ केस दर्ज किया था। अगर इन मामलों में पुलिस वारंट-बी नहीं लेती है तो आजम जेल से बाहर आ सकते हैं। आजम को बेटे अब्दुल्ला के डबल पैन कार्ड मामले में रामपुर की कोर्ट ने दोषी ठहराया था।

घेराबंदी तोड़ो, आगे बढ़ो! पटना की सड़कों पर 'आक्रोश'

फूटा दारोगा अभ्यर्थियों का गुस्सा, पुलिस बैरिकेडिंग तहस-नहस

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में दारोगा भर्ती के अभ्यर्थियों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। 1799 पदों के लिए आयोजित दारोगा मुख्य परीक्षा को रद्द किए जाने के निर्णय से नाराज सैकड़ों अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास (लोक सेवक आवास) का घेराव करने के मकसद से सड़कों पर उतर आए। पुलिस की ओर से गांधी मैदान और जेपी गोलंबर पर की गई सख्त घेराबंदी और बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए उग्र अभ्यर्थी डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ गए। अभ्यर्थियों का आरोप है



कि पिछले एक महीने से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के बाद भी शासन-प्रशासन की ओर से उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की गई, जिससे उन्हें यह कड़ा रुख अपनाने पर मजबूर होना पड़ा। प्रदर्शन की शुरुआत गुरुवार सुबह गांधी मैदान के गेट नंबर-10 से हुई। नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे अभ्यर्थियों को रोकने के लिए पुलिस ने जेपी गोलंबर पर मजबूत बैरिकेडिंग लगा रखी थी। हालांकि, आक्रोशित अभ्यर्थियों ने पुलिस की बैरिकेडिंग उखाड़ फेंकी और डाकबंगला चौराहे की तरफ बढ़ गए। स्थिति बेकाबू होते देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा, जिससे राजधानी के मुख्य मार्गों पर काफी देर तक यातायात ठप्प रहा।

गर्दनीबाग में महीने भर से जारी था शांतिपूर्ण धरना

सड़कों पर उतरे अभ्यर्थियों ने बताया कि वे पिछले एक महीने से गर्दनीबाग धरना स्थल पर अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे थे। इसके बावजूद सरकार और प्रशासन के किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने उनकी सुध नहीं ली और न ही कोई आश्वासन दिया। अधिकारियों की इस लगातार अनदेखी और ढुलमुल रवैये के कारण ही उन्हें मजबूरन सड़क पर उतरकर मुख्यमंत्री आवास की ओर रुख करना पड़ा। डाकबंगला चौराहे पर पुलिस के साथ हुई नोकझोंक के बीच प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर लिखित और ठोस आश्वासन नहीं मिलता, उनका ये आंदोलन खत्म नहीं होगा। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी है कि अगर परीक्षा बहाली और पीईटी की तिथि जारी नहीं की गई, तो आंदोलन और तीव्र किया जाएगा। फिलहाल, सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस बल की टीमें पूरे इलाके में मुस्तैद हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र मोटर व्हीकल एग्रीगेटर नियम, 2026 को लेकर बैठक

मुंबई/ अकबर खान

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र मोटर व्हीकल एग्रीगेटर नियम, 2026 के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में इन



नियमों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में महाराष्ट्र मोटर व्हीकल एग्रीगेटर नियम, 2026 से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

महाराष्ट्र के आर्वी में 2,100 करोड़ का निवेश करेगी वरुण बेवरेजेस, 550 लोगों को मिलेगा रोजगार

वर्धा जिले में एफएमसीजी और पेय पदार्थों की अत्याधुनिक एकीकृत विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए महाराष्ट्र सरकार और वरुण बेवरेजेस लिमिटेड के बीच हुआ समझौता

मुंबई / अकबर खान

मुंबई, : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रमुख उपस्थिति में महाराष्ट्र सरकार के उद्योग, निवेश एवं सेवा विभाग और वरुण बेवरेजेस लिमिटेड के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर एवं आदान-प्रदान किया गया। इस समझौते के तहत वर्धा जिले के आर्वी स्थित महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (रूट्टष्ट) क्षेत्र में एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) और पेय पदार्थों के लिए अत्याधुनिक एकीकृत विनिर्माण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव है।



प्रस्तावित परियोजना में लगभग 2,100 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जबकि इसके माध्यम से 550 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है।

स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति

इस परियोजना से आर्वी और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विनिर्माण इकाई के संचालन से प्रत्यक्ष रोजगार के अलावा परिवहन, पैकेजिंग, वितरण और अन्य सहायक क्षेत्रों में भी अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं।

इसके साथ ही कृषि आधारित उद्योगों, पैकेजिंग इकाइयों, परिवहन सेवाओं और शीतगृह सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले आपूर्तिकर्ताओं को भी लाभ मिलने की संभावना है। परियोजना से स्थानीय स्तर पर फलों और दूध की मांग बढ़ने की उम्मीद है, जिससे संबंधित उत्पादकों और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े व्यवसायों को नए अवसर मिल सकते हैं।

वरिष्ठ अधिकारी रहे उपस्थित

समझौते के अवसर पर आरजे कॉर्प एवं वरुण बेवरेजेस लिमिटेड के सीओओ और ग्रुप हेड-टेक्निकल राजिंदर जीत सिंह बग्गा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रस्तावित निवेश और विनिर्माण परियोजना से आर्वी क्षेत्र में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। परियोजना के क्रियान्वयन से क्षेत्र में नए व्यावसायिक अवसर विकसित हो सकते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिल सकता है।

इंडिया ब्लॉक से गठबंधन कर सकती है सीजेपी

कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा, 1 नवंबर की रैली को समर्थन

राहुल गांधी बोले-छात्र संगठन भी मार्च में आएं, माहौल बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने विपक्ष की 1 नवंबर की रैली का समर्थन किया है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी के लोग रामलीला मैदान में होने वाली रैली में शामिल हो सकते हैं। सीजेपी ने इंडिया ब्लॉक से गठबंधन के संकेत भी दिए हैं। उसने इस पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा है। वहीं, राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्र संगठनों से भी 1 नवंबर के दिल्ली चलो मार्च में आने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि पुलिस-लाठीचार्ज की चिंता नहीं



करें। घबराने की जरूरत नहीं है। इस रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर ब्लॉक की बैठक हुई। इसमें प्रियंका गांधी वाड्रा समेत गठबंधन के कई नेता पहुंचे। इंडिया ब्लॉक और सीजेपी दोनों ही एसआईआर और वोटरों के नाम काटे जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

राहुल बोले- ये किसी राजनीतिक पार्टी का मार्च नहीं

राहुल ने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक पार्टी का मार्च नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को बचाने का मार्च है। यह मार्च भारतीय संविधान और राष्ट्र की रक्षा के लिए है। एक नवंबर का मार्च लोकतंत्र बचाने, वोट चोरी रोकने और संविधान की रक्षा के लिए है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को लगता है कि देश के लोकतंत्र, संविधान, विचारों और अपनी बात रखने की आजादी पर हमला हो रहा है तो उसे इस मार्च में शामिल होना चाहिए। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक शुक्रवार को ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में पब्लिक महाभियोग प्रोग्राम करेगा। इसमें राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता शामिल होंगे। दूसरी जगह पर परमिशन नहीं मिलने के बाद अब यह कार्यक्रम दोपहर 3.30 बजे 10 राजाजी मार्ग पर होगा। ये कार्यक्रम विपक्ष की 1 नवंबर को रामलीला मैदान पर होने वाली रैली से पहले होगा। पब्लिक महाभियोग में जनता या राजनीतिक दल किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ विरोध जताते हैं।

दिल्ली के रामलीला मैदान में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए मार्च का आह्वान

महाराष्ट्र समाचार / संवाददाता

नई दिल्ली। लोकतंत्र की रक्षा, वोट चोरी रोकने और संविधान को बचाने के उद्देश्य से दिल्ली के रामलीला मैदान में मार्च आयोजित करने का आह्वान किया गया है। आयोजकों की ओर से लोगों से इस मार्च में शामिल होने की अपील की गई है।

अपील में कहा गया है कि यह मार्च किसी एक राजनीतिक पार्टी तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा से जुड़ा प्रयास है।

आयोजकों ने नागरिकों से बड़ी संख्या में शामिल होकर लोकतंत्र की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए अपनी आवाज बुलंद करने का आग्रह किया है।



संपादकीय

काशी के चुनावी संदेश ने बढ़ाई सियासी हलचल, 2027 की राह में भाजपा के सामने नई चुनौती

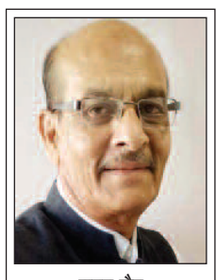
उत्तर प्रदेश की राजनीति में वाराणसी का अपना विशिष्ट महत्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में होने वाला कोई भी राजनीतिक घटनाक्रम केवल स्थानीय घटना बनकर नहीं रह जाता, बल्कि उसके निहितार्थ प्रदेश की व्यापक राजनीति तक पहुंचते हैं। वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा की जीत ने एक बार फिर यही सवाल खड़ा किया है कि क्या उत्तर प्रदेश में राजनीतिक मुकाबले की जमीन बदल रही है? गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 को घोषित परिणाम में आशुतोष सिन्हा ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी केदारनाथ सिंह को 19,932 मतों से पराजित किया। आशुतोष सिन्हा को कुल 55,046 मत प्राप्त हुए। मतगणना के लंबे दौर, दोबारा गिनती को लेकर उठे सवालों और दोनों दलों के कार्यकताओं की सक्रियता के बीच आया यह परिणाम राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बन गया है।

इस जीत के बाद समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं में उत्साह दिखाई दिया। मतगणना केंद्र के बाहर ढोल नगाड़े बजाकर खुशी मनाई गई और पार्टी समर्थकों ने इसे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए शुभ संकेत बताया। विजयी प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा ने अपनी सफलता का श्रेय पार्टी नेतृत्व, सहयोगियों और कार्यकताओं को दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने की उम्मीद भी जताई। दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी केदारनाथ सिंह ने अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बावजूद मतदाताओं के निर्णय को विनम्रता से स्वीकार करने की बात कही और अपने समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। लोकतंत्र की खूबसूरती भी यही है कि जीतने वाला जश्न मनाता है और हारने वाले के पास जनादेश का सम्मान करते हुए आगे बढ़ने का अवसर रहता है।

वाराणसी का यह परिणाम इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि यहां स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी ने अपनी राजनीतिक उपस्थिति कायम रखी है। वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के लाल बिहारी यादव की जीत के बाद स्नातक सीट पर आशुतोष सिन्हा की सफलता ने पार्टी के उत्साह को और बढ़ाया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने परिणामों को भाजपा के लिए राजनीतिक झटका बताते हुए इसे दोहरी हार करार दिया। उनका संकेत मतगणना के शुरूआती दौर और पुनर्गणना के बाद भी भाजपा प्रत्याशी को सफलता नहीं मिलने की ओर था। हालांकि चुनावी परिणामों को लेकर किसी भी राजनीतिक दल के दावे और आरोप अपनी जगह हैं, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में अंतिम महत्व निर्वाचन प्रक्रिया से घोषित आधिकारिक जनादेश का ही होता है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव परिणामों में भाजपा ने छह और समाजवादी पार्टी ने पांच सीटों पर जीत हासिल की। इन परिणामों को केवल सीटों की संख्या के आधार पर देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह भी समझना होगा कि शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता सामान्य विधानसभा चुनाव के मतदाताओं से अलग प्रकृति रखते हैं। इन क्षेत्रों में शिक्षकों, शिक्षित नागरिकों और स्नातक मतदाताओं की भागीदारी होती है। इसलिए इनका रुझान शिक्षा, रोजगार, भर्ती प्रक्रियाओं, महंगाई, प्रशासनिक व्यवहार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे सवालों पर महत्वपूर्ण संकेत दे सकता है। फिर भी इन चुनावों के आधार पर पूरे प्रदेश के मतदाताओं का अंतिम मन तय कर देना राजनीतिक विश्लेषण की जल्दबाजी होगी।

वीटो के विशेषाधिकार से नहीं, समान अधिकारों से मजबूत होगी, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद



सनत जैन

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का मूल उद्देश्य दुनिया को युद्ध, हिंसा और विनाश से बचाना तथा अंतर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और सहयोग को मजबूत करना था। आज वैश्विक परिस्थितियां सवाल उठा रही हैं, क्या संयुक्त राष्ट्र अपने मूल उद्देश्यों को पूरा कर पा रहा है? इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक, लंबे समय से जारी हिंसा और नागरिकों की मौतें अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। ऐसे समय में सुरक्षा परिषद में सुधार और स्थायी सदस्यों के बीच समान अधिकारों की मांग महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के प्रतिनिधि पर्वथनैनी ने सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता पर भारत का पक्ष रखते हुए वीटो के अधिकार को समानता के सिद्धांत से जोड़ने की बात कही। भारत का तर्क है कि यदि सुरक्षा परिषद का विस्तार कर नए स्थायी सदस्य शामिल किए जाते हैं, तो उन्हें भी वीटो का अधिकार मिलना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में पांच स्थायी सदस्य अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस को वीटो प्राप्त है। इससे इन देशों को ऐसे प्रस्तावों को रोकने की शक्ति मिलती है, जिन्हें अन्य सदस्य देश बहुमत से समर्थन दे सकते हैं।

सवाल यह है कि क्या विश्व शांति की जिम्मेदारी उठाने वाली संस्था में अधिकारों का असमान वितरण न्यायसंगत है? भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश और प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत का मानना है, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी यह बात अंतर्राष्ट्रीय मंच से कह चुके हैं। वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में भारत की भी भूमिका वास्तविक और प्रभावी होनी चाहिए। हालांकि, वीटो सहित सुरक्षा परिषद के सुधार पर सदस्य देशों के बीच सहमति बनाना एक बड़ी जटिल अंतर्राष्ट्रीय चुनौती है। सुरक्षा परिषद की सीमाएं केवल प्रतिनिधित्व तक ही नहीं हैं। जब शक्तिशाली देशों के हित टकराते हैं, तो वीटो के कारण सामूहिक हित बाधित होते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध रोकने, मानवीय सहायता पहुंचाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास पर्यावरण संरक्षण कमजोर पड़ते हैं। इससे संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। छोटे तथा विकासशील देशों के मन में यह सवाल पैदा होता है, क्या अंतर्राष्ट्रीय कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है? पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से अमेरिका या नाटो देशों ने जिस तरह से एक तरफ आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं, उसको लेकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं कमजोर साबित होने लगी हैं। अमेरिका द्वारा रूस, ईरान जैसे देश की बहुत बड़ी रकम को जप्त कर लेना, भारत चीन और अन्य देशों पर मनमाने तरीके से टेरिफ़ बढ़ा देना, वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करना, डब्लूटीओ और पर्यावरण से संबंधित नियमों का पालन नहीं करना, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की आर्थिक सहायता को रोक देना, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर कर रही हैं। इस व्यवस्था का प्रभाव केवल कूटनीति और सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता। युद्धों पर होने वाला भारी खर्च, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक कल्याण के लिए उपलब्ध संसाधनों को प्रभावित करता है। हथियारों की दौड़ के बीच दुनिया के अनेक हिस्सों में गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी की समस्या बढ़ती जा रही है। आर्थिक असमानता बढ़ने से सामाजिक असंतोष और विरोध प्रदर्शनों की स्थितियां पैदा होती हैं। शांति का अर्थ केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि ऐसा सामाजिक वातावरण भी है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन, भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। प्रकृति की सुरक्षा भी इसी वैश्विक जिम्मेदारी का अभिन्न हिस्सा है। जलवायु परिवर्तन, जंगलों का विनाश, खनिज संसाधनों का अनियंत्रित दोहन, समुद्रों में प्रदूषण और जैव विविधता का क्षरण किसी एक देश की समस्या नहीं हैं। अनियमित वर्षा, भीषण गर्मी, बाढ़, सूखा और ग्लेशियरों का पिघलना मानव जीवन और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, जवाबदेही और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, जवाबदेह और प्रभावी बनाना समय की मांग है। सुरक्षा परिषद में सुधार के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का निष्पक्ष एवं कड़ाई से अनुपालन, संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान, मानवीय सहायता और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। विकसित और विकासशील देशों के बीच विश्वास बढ़ाना तथा छोटे देशों की आवाज को निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त स्थान देने पर ही संयुक्त राष्ट्र संघ मजबूत होगा। संयुक्त राष्ट्र की शक्ति केवल उसके प्रस्तावों में नहीं, बल्कि उन पर अमल कराने की सामूहिक इच्छाशक्ति में निहित है। यदि दुनिया के देश इस संस्था पर विश्वास खो देंगे, तो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कमजोर होगा, वैश्विक एवं आपसी संघर्षों का खतरा बढ़ेगा। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों से मिले सबक को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें शक्ति के साथ जिम्मेदारी और अधिकारों के साथ जवाबदेही भी हो। विश्व शांति, सामाजिक न्याय और प्रकृति की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र को कुछ शक्तिशाली देशों के हितों से आगे बढ़कर प्रकृति के संरक्षण और मानव समाज के हितों के लिए आगे आना होगा। ब्रह्मांड की कोई सीमा नहीं है। यदि इससे छेड़छाड़ की गई तो यह सभी के लिए विनाशकारी साबित होगी।

दवा कीमतों पर सर्वोच्च न्यायालय की चिंता जायज



सौरभ वार्ष्णेय

स्वास्थ्य किसी भी सभ्य समाज की बुनियादी आवश्यकता है और जीवन बचाने वाली दवाओं तक सुलभ पहुंच प्रत्येक नागरिक का अधिकार होना चाहिए। लेकिन जब बीमारी से जूझ रहा व्यक्ति इलाज के खर्च के सामने बेबस हो जाए, तब स्वास्थ्य व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। देश की सर्वोच्च न्यायालय ने दवाओं और चिकित्सा उत्पादों की कीमतों में कथित भारी अंतर पर जो गंभीर चिंता जताई है, वह केवल दवा बाजार की अनियमितताओं का मामला नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य, सरकारी जवाबदेही और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा एक व्यापक प्रश्न है। अदालत के समक्ष कैंसर के एक इंजेक्शन का उदाहरण आया, जिसकी कीमत लगभग ग्यारह हजार रुपये बताई गई, जबकि निजी अस्पताल में उसी इंजेक्शन के लिए डेढ़ लाख रुपये वसूले जाने की बात सामने आई। यदि इन आंकड़ों की पुष्टि होती है, तो यह अंतर निश्चित रूप से जांच और जवाबदेही की मांग करता है।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज और उसके परिजन पहले ही मानसिक, शारीरिक बेदना सहित आर्थिक संकट से गुजरते हैं। ऐसे समय में इलाज का खर्च उनकी परेशानी को कई गुना बढ़ा देता है। परिवार अपनी बचत खर्च करता है, संपत्ति बेचने को मजबूर होता है और कई बार उधार लेकर उपचार कराता है। यदि किसी दवा की खरीद कीमत और मरीज से वसूली जाने वाली राशि के बीच असाधारण अंतर है, तो यह जानना आवश्यक है कि उस अंतर में दवा की वास्तविक लागत, अस्पताल का खर्च, भंडारण, आपूर्ति, कर, सेवा शुल्क और अन्य मदों का कितना योगदान है।

यह समझना भी जरूरी है कि दवा की निर्माता कीमत, वितरक की कीमत, अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी और अस्पताल द्वारा मरीज से वसूली जाने वाली राशि हमेशा एक समान नहीं होती। अस्पताल में दवा देने, उसे सुरक्षित रखने, निगरानी करने और उपचार संबंधी सेवाओं का खर्च भी हो सकता है। लेकिन इन खर्चों के नाम पर यदि बिना उचित आधार के कई गुना रकम वसूली जाती है, तो उसे सामान्य व्यावसायिक गतिविधि मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मरीज को स्पष्ट बिल, मूल्य का उचित विवरण और इलाज से संबंधित खर्चों की पारदर्शी जानकारी मिलनी चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण की भूमिका और दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दवाओं के मूल्य निर्धारण और आवश्यक औषधियों की उपलब्धता में सरकार की भूमिका निर्णायक होती है। जब बाजार में जीवनरक्षक दवाओं के दाम आम नागरिक की पहुंच से बाहर होने लगें, तब केवल नीतियां बनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी समीक्षा होनी चाहिए।

भारत में आवश्यक दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश और राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इनके माध्यम से निर्धारित दवाओं के मूल्य पर नियंत्रण रखने का प्रयास किया जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या निगरानी व्यवस्था मरीजों तक पर्याप्त राहत पहुंचा पा रही है? क्या मूल्य नियंत्रण के दायरे से बाहर रहने वाली दवाओं और अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उत्पादों की कीमतों पर पर्याप्त पारदर्शिता है? क्या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई होती है? इन सवालों के जवाब केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि मरीजों के वास्तविक अनुभवों और स्वतंत्र जांच से भी मिलने चाहिए।

अदालत में सलाइन ड्रिप, हार्ट स्टेंट और एंटीबायोटिक जैसी वस्तुओं की कीमतों के उदाहरण भी सामने आए। बताया गया कि लगभग 11 रुपये की सलाइन ड्रिप 270 रुपये में, पांच हजार रुपये का हार्ट स्टेंट 25 हजार रुपये से अधिक में और 28 रुपये की एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन 70 रुपये से अधिक में बेची जा रही है। इन आंकड़ों को संबंधित उत्पादों, उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, कर, आपूर्ति और बिक्री के स्तर के संदर्भ में सत्यापित करना जरूरी है। फिर भी यदि समान उत्पादों की खरीद और बिक्री कीमतों में इतना बड़ा अंतर पाया जाता है, तो नियामक संस्थाओं को उसका स्पष्ट कारण सामने रखना चाहिए।

विशेष रूप से हार्ट स्टेंट और कैंसर के उपचार में उपयोग होने वाली दवाओं के मामले में मूल्य पारदर्शिता का महत्व और बढ़ जाता है। मरीज अक्सर चिकित्सक की सलाह पर निर्भर होता है और उसे बाजार में विकल्पों की तुलना करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। ऐसे में उसकी मजबूरी का लाभ उठाने की किसी भी संभावना को रोकना सरकार, अस्पताल प्रशासन और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है।

दवा उद्योग अनुसंधान, नई दवाओं के विकास, उत्पादन और वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंपनियों को उचित लाभ कमाने का अधिकार है, लेकिन जीवनरक्षक दवाओं का बाजार सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं के बाजार से अलग है। यहां ग्राहक के पास कई बार खरीद टालने या सस्ता विकल्प चुनने की स्वतंत्रता नहीं होती। गंभीर बीमारी में दवा का विकल्प सीमित हो सकता है और उपचार में देरी जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र में बाजार की शक्तियों के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और प्रभावी सरकारी नियमन का संतुलन आवश्यक है।

केंद्र सरकार की ओर से यह दलील दी गई कि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया के कई देशों की तुलना में कम हैं। अंतरराष्ट्रीय तुलना अपने स्थान पर उपयोगी हो सकती है, लेकिन भारतीय मरीज की आर्थिक स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसी दवा का दूसरे देश की तुलना में सस्ता होना अपने आप में इस बात का प्रमाण नहीं है कि उसकी कीमत हर भारतीय परिवार की पहुंच में है। असली कसौटी यह होनी चाहिए कि मरीज को आवश्यक उपचार कितने खर्च में, कितनी आसानी से और कितनी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध हो रहा है।



सरकार को दवाओं की कीमतों और अस्पतालों में होने वाली वसूली की नियमित जांच के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। अस्पतालों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद कीमत, मरीज से वसूली गई कीमत तथा सेवा शुल्क का स्पष्ट विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं की सूची और मूल्य नियंत्रण की समीक्षा समय-समय पर होनी चाहिए। जहां असामान्य मूल्य अंतर सामने आए, वहां निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही, मरीजों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और अनुचित वसूली पाए जाने पर उचित कार्रवाई की व्यवस्था भी मजबूत होनी चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय की चिंता का वास्तविक महत्व तभी सिद्ध होगा, जब उससे व्यवस्था में ठोस सुधार का रास्ता खुले। केवल टिप्पणियों से मरीजों का आर्थिक बोझ कम नहीं होगा। इसके लिए सरकार, दवा कंपनियों, अस्पतालों और नियामक संस्थाओं को जवाबदेह बनाना होगा।

लोककल्याणकारी व्यवस्था की पहचान केवल अस्पतालों की संख्या या चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से नहीं होती, बल्कि इससे होती है कि संकट की घड़ी में आम नागरिक को कितना सहारा मिलता है। दवाओं की कीमतें तय करने और उनकी बिक्री पर निगरानी रखने वाली व्यवस्था का उद्देश्य मरीजों को राहत देना होना चाहिए। जीवनरक्षक दवाओं के मामले में पारदर्शिता, उचित मूल्य और जवाबदेही कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि जनहित की अनिवार्य शर्तें हैं। आखिरकार, किसी भी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह जीवन बचाने में कितनी सहायक है, न कि बीमारी से जूझ रहे परिवारों पर कितना आर्थिक बोझ डालती है।

केरल की वृद्ध संरक्षण पहल से जगेगी नई चेतना



योगेश कुमार गोयल

आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी।

भारत की संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। यहाँ कहा गया है-'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव।' जिस देश में माता-पिता के चरणों में स्वर्ग देखने की परंपरा रही हो, उसी देश में यदि वृद्धावस्था में माता-पिता अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान, अकेलेपन और असुरक्षा का दंश झेलने को विवश हों, तो यह केवल पारिवारिक विघटन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है। जिस बुजुर्ग ने अपनी संतान के भविष्य के लिए वर्तमान को खपा दिया, यदि उसी संतान के पास उसके बुढ़ापे के लिए समय, संवेदना और स्नेह न बचे, तो विकास की चमक के बीच मानवीय मूल्यों का अंधेरा साफ दिखाई देता है। ऐसे समय में केरल विधानसभा द्वारा अक्टूबर 2026 में वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित व्यापक विधेयक पारित किया जाना एक आशाजनक पहल है। यह कानून की किताब में जुड़ा एक नया अध्याय भर नहीं, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का नया सूर्योदय बनने की क्षमता रखता है। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की संख्या लगभग 15 करोड़ बताई जा रही है। अनुमान है कि यह आबादी 2036 तक लगभग 23 करोड़ और 2050 तक 34 करोड़ से अधिक हो सकती है। यह बदलती जनसांख्यिकी हमें चेतावनी भी देती है और अवसर भी। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं ने मनुष्य की आयु बढ़ाई है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हमने जीवन की बढ़ती अवधि को गरिमापूर्ण बनाने की तैयारी भी की है? सिर्फ लंबी उम्र उपलब्धि नहीं है, उस उम्र में सम्मान, आत्मनिर्भरता और अपनापन बनाए रखना ही वास्तविक उपलब्धि है।

केरल की इस पहल का महत्त्व इसलिए बढ़ जाता है कि यह बुजुर्गों की समस्याओं को केवल परिवार की निजी जिम्मेदारी मानकर छोड़ देने के बजाय सामाजिक और संस्थागत दायित्व के रूप में देखती है। विधेयक में वरिष्ठ नागरिकों के साथ शारीरिक एवं मानसिक दुर्व्यवहार, क्रूरता और उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें बेसहारा छोड़ने जैसे कृत्यों के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। इसके साथ संरक्षण इकाइयों, देखभाल केंद्रों के नियमन, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण और शिकायतों के निवारण जैसी व्यवस्थाओं पर जोर दिया गया है। साइबर धोखाधड़ी से बचाव तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों के अधिकार जैसे विषयों को स्थान देना भी बदलते समय की जरूरतों को समझने का संकेत है। इस पहल का मूल संदेश स्पष्ट है-बुजुर्गों की सेवा सद्भावना का विषय अवश्य है, लेकिन उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना सामाजिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व भी है। इस विधेयक की सबसे संवेदनशील अवधारणा है-'एजिंग इन प्लेस', अर्थात बुजुर्गों को यथासंभव उनके अपने घर और परिचित परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर देना। वृद्धाश्रमों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन माता-पिता के लिए घर का एक कमरा भी तब अधिक मूल्यवान होता है, जब उसमें अपनत्व की गर्माहट हो। बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और बिस्तर नहीं चाहिए, उन्हें बातचीत करने वाला साथी, उनकी बात सुनने वाला कान, उनके अनुभवों को समझने वाला मन और उनके अस्तित्व को स्वीकार करने वाला परिवार चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर कई बार आर्थिक अभाव से अधिक भावनात्मक अभाव पीड़ा देता है। जिस घर में बुजुर्गों की आवाज अनसुनी हो जाती है, वहाँ दीवारें तो रहती हैं, लेकिन परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है।



आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी। आज उसी अनुभव-संपदा को कई बार अनुपयोगी समझ लिया जाता है। संपत्ति के लिए माता-पिता पर दबाव डालना, उनकी जमा-पूँजी पर अनुचित अधिकार जमाना, बीमारी में उन्हें अकेला छोड़ देना अथवा उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचाना सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। यह कैसी विडंबना है कि जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, उन्हीं हाथों को बुढ़ापे में सहारे के लिए तरसना पड़े! केरल का विधेयक इस समस्या के समाधान की दिशा में व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें बेसहारा छोड़ने पर तीन वर्ष तक के कारावास तथा 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। देखभाल केंद्रों के पंजीकरण, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण, शिकायतों के निवारण और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएँ भी प्रस्तावित हैं। साथ ही, वरिष्ठ नागरिकों के चिकित्सा संबंधी पूर्वनिर्धारित निर्णयों, कानूनी सहायता और डिजिटल सेवाओं तक पहुँच को महत्त्व दिया गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा ने यह विधेयक 26 अक्टूबर 2026 को सर्वसम्मति से पारित किया है, इसे कानून के रूप में लागू होने के लिए राज्यपाल की स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

इस पहल का एक दूरदर्शी पक्ष 'सिल्वर इकोनॉमी' की अवधारणा भी है। बुजुर्गों को केवल सहायता प्राप्त करने वाले नागरिकों के रूप में नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके अनुभव, ज्ञान, कौशल और जीवन-दृष्टि का उपयोग शिक्षा, परामर्श, सामाजिक सेवा, उद्यमिता और सामुदायिक विकास में किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति का अर्थ प्रतिभा की समाप्ति नहीं, बल्कि जीवन की दूसरी पारी का आरंभ भी हो सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज उन्हें बोझ नहीं, अपनी अमूल्य पूँजी माने। पेड़ जब पुराना होता है, तब भी उसकी छाया कम मूल्यवान नहीं हो जाती। इसी तरह अनुभव की परिपक्वता किसी भी राष्ट्र की विकास-यात्रा को दिशा दे सकती है। अब समय है कि केंद्र सरकार के साथ दूसरे राज्य भी केरल की इस पहल से प्रेरणा लें। केंद्र के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा हो तथा आवश्यकतानुसार उसे और सशक्त बनाया जाए। राज्यों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित संरक्षण इकाइयाँ, सुलभ शिकायत व्यवस्था, निःशुल्क कानूनी सहायता, घर पर स्वास्थ्य सेवाएँ और सुरक्षित सामुदायिक केंद्र विकसित किए जाएँ। पुलिस, अस्पतालों, बैंकों और स्थानीय निकायों में बुजुर्गों की समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था हो। साथ ही, विद्यालयों और महाविद्यालयों में पीढ़ियों के बीच संवाद तथा परिवारों में संवेदनशीलता विकसित करने के अभियान चलाए जाएँ। कानून अपराध होने के बाद दंड दे सकता है, लेकिन संस्कार अपराध की नौबत आने से पहले ही रोक सकते हैं।

अंततः बुजुर्गों की सुरक्षा का प्रश्न केवल एक आयु-वर्ग के कल्याण का विषय नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा का निर्धारक है। आज जो युवा हैं, वे कल वरिष्ठ नागरिक होंगे। इसलिए बुजुर्गों के लिए बनाई गई संवेदनशील व्यवस्था वास्तव में हमारे अपने भविष्य की सुरक्षा है। विकसित भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक समृद्धि के साथ मानवीय संवेदना, तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक चेतना और आधुनिक जीवन के साथ पारिवारिक आत्मीयता भी विकसित होगी। केरल की पहल एक नई रोशनी का संकेत है, लेकिन इस रोशनी को देश के प्रत्येक घर तक पहुँचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें ऐसा भारत बनाना है, जहाँ वृद्धावस्था विवशता नहीं, सम्मान का काल होय जहाँ बुजुर्गों को अपने ही घर में पराया न होना पड़ेय और जहाँ उनकी आँखें संतान की प्रतीक्षा में नहीं, उसके प्रेम और उपस्थिति में चमकें। आखिर जिस समाज की जड़ें अपने बुजुर्गों के अनुभवों से जुड़ी रहती हैं, उसकी विकास-यात्रा के तूफानों में भी स्थिर रहने की संभावना अधिक होती है। यही सच्चे अर्थों में संस्कारित, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दैनिक महाराष्ट्र समचार मलिक मुद्रक प्रकाशांन व संपादक अकबर खान प्लोट ने 302, वी पी वर्डे रोड ए ,आर औटो वोर्क्स बिहाइंड गेटी सिनेमा बांद्रा वैस्ट मुंबई -400050 महाराष्ट्र, मोबाइल नंबर 9152073782. प्राचीता प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड- गला न:13 मकबा बिल्डिंग नियर एस ब्रिज एन एम जोशी मर्ग भैकल्ला वैस्ट मुंबई- 400027. किसी भी सुरत में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

छह राज्यों में 1600 संदिग्ध विदेशी नागरिक मिले, मतदाता सूची से हटाए जाएंगे नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे सिस्टमैटिक आइडेंटिफिकेशन एंड रिव्यू (एसआईआर) अभियान के तहत एक अहम जानकारी सामने आई है। इस अभियान के तहत छह राज्यों में करीब 1600 संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाने हैं। एसआईआर का काम इन छह राज्यों में पूरा हो चुका है और कुछ अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। यह कदम मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखने और यह तय करने के लिए अहम है कि केवल पात्र भारतीय नागरिक ही मतदान कर सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक जिन 1,600 संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, उनकी संख्या इन छह राज्यों के कुल मतदाताओं की संख्या के मुकाबले बहुत कम है। इन छह राज्यों में रहने वाले मतदाताओं की कुल संख्या 9.86 करोड़ है, जिससे पता चलता है कि यह अभियान बड़े पैमाने पर नहीं, बल्कि लक्षित रूप से त्रुटियों को सुधारने पर केंद्रित है। यह निर्वाचन आयोग की निरंतर कोशिशों का हिस्सा है ताकि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अपात्र व्यक्ति के नाम को समाप्त किया जा सके।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड- मुंबई पुलिस पर दिखावे की कार्रवाई का आरोप

मुंबई। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में उनकी पत्नी शहजीन सिद्दीकी ने मुंबई पुलिस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि पुलिस केवल दिखावे की कार्रवाई कर रही है और अपनी मनमानी छिपाने के लिए प्रशासनिक अड़चनों का सहारा ले रही है। शहजीन के वकील त्रिवनकुमार करनानी ने कहा कि मुंबई पुलिस जानबूझकर अदालती आदेशों के बावजूद जेल में पूछताछ या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हिरासत सुनिश्चित करने जैसे आवश्यक कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह प्रशासनिक देरी हत्या के मामले की सुनवाई को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है, खासकर तब जब पुलिस को प्रक्रियागत विकल्पों की जानकारी है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में उनके बेटे के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया था, और मुंबई पुलिस ने अपनी चार्जशीट में लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई को वांछित आरोपी के रूप में चिन्हित किया है। ये आरोप तब सामने आए हैं, जब मुंबई पुलिस पर बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुए हालिया हमले के बाद भी सवाल उठ रहे हैं। 18 सितंबर को जुहू में हुए इस हमले में टाइगर के ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति घायल हुए थे, और घटना में भी लॉरेंस बिश्नोई का कनेक्शन उजागर हुआ था। सिद्दीकी की पत्नी के आरोप मौजूदा स्थिति में पुलिस की कार्यप्रणाली पर और दबाव बढ़ा रहे हैं।

सऊदी अरब में उमरा करने गए हजारों जायरीन फंसे

नई दिल्ली। सऊदी अरब में उमरा करने गए चार हजार से अधिक भारतीय जायरीन उड़ानों के प्रभावित होने से फंस गए हैं। 8 अक्टूबर को रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमलों के बाद उनकी वापसी मुश्किल हो गई है। कई जायरीन मक्का-मदीना के अलावा जेद्दा और दम्माम में फंसे हैं। उनके पास पैसे और नियमित दवाइयां खत्म होने लगी हैं, जिससे परेशानियां बढ़ रही हैं। होटल और खाने-पीने का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। भारतीय दूतावास और एयरलाइंस की ओर से यात्रियों की मदद के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ यात्रियों को होटल और भोजन उपलब्ध कराया गया है, लेकिन सभी के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पा रही है। कई जायरीन एक ही कमरे में 10 से 15 लोगों के साथ रहने को मजबूर हैं। बुजुर्गों और बीमार यात्रियों की स्थिति अधिक चिंताजनक है।

भारतीय ज्ञान परंपरा मानव कल्याण और सामाजिक सद्भाव का आधार: राज्यपाल



हरिद्वार (एजेंसी)। राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने गुरुवार को हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन का उद्घाटन किया। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में देश-विदेश से विद्वान, शोधकर्ता, शिक्षाविद और विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का उद्देश्य केवल बौद्धिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण, सामाजिक सद्भाव और मानव कल्याण की भावना को मजबूत करना भी है।

राज्यपाल ने कहा कि प्राच्यविद्या का अध्ययन अतीत को जानने के साथ-साथ भारतीय सभ्यता के विकास, विभिन्न विचारधाराओं के संवाद और मानव समाज के बौद्धिक इतिहास को समझने का अवसर देता है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और भारतीय दर्शन के ग्रंथों में जीवन, नैतिकता, कर्तव्य तथा सामाजिक समरसता से जुड़े महत्वपूर्ण विचार मिलते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन पर जोर दिया जा रहा है। विकास भी, विरासत भी का विचार आधुनिक प्रगति और सांस्कृतिक जड़ों के बीच समन्वय को दर्शाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भी भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषाओं, बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान को महत्व दिया गया है। राज्यपाल ने ज्ञान भारतम्-मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, संरक्षण और अंकीयकरण के माध्यम से देश की बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवा शोधार्थियों से मूल ग्रंथों, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और दार्शनिक विचारों का गंभीरता से अध्ययन करने तथा शोध में प्रामाणिकता, पारदर्शिता और बौद्धिक ईमानदारी बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का लोकार्पण भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' का संदेश ज्ञान को समस्त मानवता के सुख, स्वास्थ्य और कल्याण से जोड़ता है। वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित संतुलन, सह-अस्तित्व और समग्र दृष्टिकोण पर विमर्श उपयोगी साबित हो सकता है। सम्मेलन में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव, कुलपति आचार्य बालकृष्ण, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुंभ मेलाधिकारी सोनिका, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित भारतीय विद्वत परिषद के प्रतिनिधि, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, विद्वान, आचार्य, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सलीम फ्रूट को जबरन वसूली के मामले में जमानत मिली

मुंबई / अकबर खान

मुंबई : एक स्पेशल MCOCA कोर्ट ने बुधवार को दाऊद इब्राहिम के करीबी छोटा शकील के करीबी रिश्तेदार सलीम कुरैशी उर्फ सलीम फ्रूट और उसके साथी रियाज अहमद भाटी को ज़मानत दे दी। इन दोनों को क्राइम ब्रांच ने 2022 में शहर के एक बिज़नेसमैन से 62 लाख की रंगदारी मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया था। यह घटना 2021 में भाटी की बर्थडे पार्टी के दौरान हुई थी, जहाँ प्रॉसिक्यूशन ने आरोप लगाया था कि दोनों और पाँच अन्य लोग शिकायतकर्ता से पैसे ऐंठने के लिए रची गई साज़िश का हिस्सा थे। प्रॉसिक्यूशन का आरोप है कि पार्टी में सलीम फ्रूट और शिकायत करने वाले दोस्त बन गए और उन्होंने ताश खेलना शुरू कर दिया। वे बेटिंग के खेल में शामिल हो गए, जिसके बाद फ्रूट ने कथित तौर पर 62 लाख की मांग शुरू कर दी। उसने कथित तौर पर बिजनेसमैन को उसकी रेंज रोवर, जिसकी कीमत 30 लाख थी, देने के लिए भी मजबूर किया।

प्रॉसिक्यूशन ने यह भी आरोप लगाया था कि भाटी ने बिज़नेसमैन को धमकी भी दी थी। बाद में धमकियों का सामना करते हुए, शिकायतकर्ता ने कथित तौर पर फ्रूट द्वारा दिए गए बैंक अकाउंट में अतिरिक्त 7 लाख का पेमेंट किया था।

इसके बाद क्राइम ब्रांच ने पांच और लोगों अजय गोसालिया, फिरोज चमड़ा, समीर खान, पापा पठान और अमजद रेडकर को दाऊद गैंग से कथित कनेक्शन के लिए गिरफ्तार किया। पुलिस ने सातों के खिलाफ महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (MCOCA) की अलग-अलग धाराएं लगाई थीं। बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस साल अप्रैल में तीन आरोपियों - समीर ताज खान, फिरोज हुसैन शेख और अजय गोसालिया - को इस आधार पर ज़मानत दे दी



थी कि फ्रूट द्वारा मैनेज किए जाने वाले कथित ऑर्गनाइज्ड क्राइम सिंडिकेट के साथ इन तीनों का लिंक साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं था।

स्पेशल सेशन जज ने रियाज़ भाटी और सलीम फ्रूट को 'हर एक को 1 लाख का पर्सनल बॉन्ड भरने पर' ज़मानत पर रिहा करने का निर्देश दिया, और कहा कि वे 'इस ट्रायल के खत्म होने तक शिकायत करने वाले और दूसरे गवाहों से, सीधे या किसी भी तरह से, संपर्क न करें।'

क्रॉफर्ड मार्केट की सफाई और सुरक्षा पर जोर, महापौर रितु तावड़े ने दिए सुधार के निर्देश

मुंबई की महापौर रितु तावड़े ने क्रॉफर्ड मार्केट का निरीक्षण किया। सफाई, सुरक्षा, अतिक्रमण, शौचालय और ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए।



मुंबई: दक्षिण मुंबई के ऐतिहासिक महात्मा ज्योतिबा फुले मंडई, जिसे क्रॉफर्ड मार्केट के नाम से भी जाना जाता है, में सफाई, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया है। मुंबई की महापौर रितु तावड़े ने बुधवार, 28 अक्टूबर 2026 को मंडई और आसपास के परिसर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।

यह मंडई मुंबई की ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में व्यापारी, ग्राहक और देश-विदेश से पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में परिसर को साफ-सुथरा, सुरक्षित और व्यवस्थित रखना जरूरी है।

पानी, बिजली और सफाई व्यवस्था की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान महापौर रितु तावड़े ने मंडई में पानी की आपूर्ति, बिजली व्यवस्था, सार्वजनिक सफाई, अतिक्रमण और सुरक्षा से जुड़ी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यहां आने वाले व्यापारियों और ग्राहकों को होने वाली परेशानियों को गंभीरता से लिया जाए और उनका जल्द समाधान किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पानी और बिजली जैसी जरूरी सुविधाओं की नियमित जांच की जाए, ताकि इनके संचालन में किसी तरह की परेशानी न हो।

अतिक्रमण पर नियमों के अनुसार कार्रवाई

महापौर ने मंडई की ऐतिहासिक इमारत और आसपास के परिसर में होने वाले अतिक्रमण पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के दौरान इस ऐतिहासिक स्थल के महत्व और उसकी पहचान का ध्यान रखा जाना चाहिए।

शौचालय और गंदे पानी की समस्या दूर करने पर जोर

मंडई की नई विकसित हो रही इमारत और परिसर में जैविक शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने की संभावना पर विचार करने को भी कहा गया है। इसके साथ ही गंदे पानी की निकासी वाली नालियों की नियमित सफाई करने और परिसर के विकास के दौरान जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान निकालने के निर्देश दिए गए।

पुरानी प्याऊ और फव्वारे का संरक्षण

महापौर रितु तावड़े ने मंडई की ऐतिहासिक पहचान से जुड़े पुराने प्याऊ और फव्वारे का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पुरानी प्याऊ का संरक्षण करने और उसे दोबारा उपयोगी बनाने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए।मंडई परिसर की सुरक्षा मजबूत करने के लिए निगरानी कैमरे लगाने को भी कहा गया।

व्यापारियों की समस्याएं भी सुनीं

निरीक्षण के दौरान महात्मा फुले मंडई दुकानदार सेवा संस्था की ओर से सौंपा गया निवेदन स्वीकार करते हुए महापौर ने व्यापारियों की समस्याएं और मांगें सुनीं। इस मौके पर सी और डी विभाग के अध्यक्ष आकाश राज पुरोहित, नगरसेविका हर्षिता नार्वेकर, नामित नगरसेवक अधिवक्ता कमलाकर दलवी, ए विभाग के सहायक आयुक्त उज्ज्वल इंगोले और बाजार विभाग के सहायक आयुक्त नितिन शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। महापौर रितु तावड़े ने दुकानदारों और कारोबारियों से भी अपील की कि वे परिसर को साफ रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं और रखरखाव तथा मरम्मत के काम में सहयोग करें।

मसूरी विंटरलाइन कार्निवाल को ऐतिहासिक रंग देने की तैयारी, स्मारकों और लोकसंस्कृति को मिलेगा मंच

देहरादून (एजेंसी)। मसूरी विंटरलाइन कार्निवाल-2026 को भव्य, आकर्षक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र सभागार में बैठक आयोजित की गई। इसमें सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और पर्यटकों की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्निवाल के दौरान मसूरी में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए। स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों की सुविधा के लिए साफ-सफाई, सड़क व्यवस्था, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि कार्निवाल केवल मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि पर्यटन को बढ़ावा देने, स्थानीय संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को देश-विदेश तक पहुंचाने तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने मसूरी के ऐतिहासिक स्मारकों और भवनों का सौंदर्यीकरण कर उन्हें कार्निवाल के कार्यक्रमों से जोड़ने के



निर्देश दिए। इन स्थलों पर स्थानीय इतिहास, लोक परंपराओं, लोककला और व्यंजनों से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया, ताकि पर्यटक मसूरी और उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें। जिलाधिकारी ने अन्य पर्यटन क्षेत्रों में आयोजित सफल कार्निवाल और महोत्सवों की व्यवस्थाओं का अध्ययन कर उपयोगी नवाचारों को मसूरी की परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने को कहा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से होटल व्यवसायियों, व्यापारियों, परिवहन सेवा प्रदाताओं और स्थानीय कलाकारों को रोजगार एवं आय के अवसर मिल सकते हैं। सभी विभागों को पर्यटकों की सुविधा, स्थानीय सहभागिता और सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार को ध्यान में रखकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मसूरी नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मीरा सकलानी, संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल आनंद, मुख्य कोषाधिकारी नीतू भंडारी, पुलिस अधीक्षक जया बलूनी, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, उप नगर आयुक्त गौरव कुमार, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप साहनी और सचिव अजय भार्गव, जिला पर्यटन विकास अधिकारी जसपाल चौहान, पुलिस क्षेत्राधिकारी जगदीश पंत, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी रत्नाकर सिंह, नायब तहसीलदार उपेंद्र सिंह राणा, लोक निर्माण विभाग के दीपक कुमार, पेयजल निगम के भीम निराला और आईटीबीपी के अजय प्रकाश सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मंच पर चमके हरिद्वार के समाजसेवी, जगदीश लाल पाहवा और परमानन्द पोपली सम्मानित

हरिद्वार (एजेंसी)। धर्मनगरी हरिद्वार के दो वरिष्ठ समाजसेवियों जगदीश लाल पाहवा और परमानन्द पोपली को समाजसेवा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित गांधी पीस फाउंडेशन में बियॉन्ड द थर्ड आई न्यूज की ओर से आयोजित इम्पैक्ट इंडिया समिट-2026 में देशभर की लगभग 100 समाजसेवी संस्थाओं ने भाग लिया। समारोह में पद्मश्री से सम्मानित कंवल सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान समाज के उत्थान और निःस्वार्थ जनसेवा के लिए समर्पित विभूतियों को सम्मान प्रदान किए गए।





वरिष्ठ नागरिक महासभा के संस्थापक अध्यक्ष एवं ट्री ट्रस्ट ऑफ इंडिया के संरक्षक जगदीश लाल पाहवा को समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए श्रेष्ठ एनजीओ सम्मान पुरस्कार-2026 से अलंकृत किया गया। वहीं, वरिष्ठ समाजसेवी परमानन्द पोपली को भी उनके सराहनीय सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

जगदीश लाल पाहवा लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, सामाजिक जागरूकता, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए सक्रिय हैं। जनहित के कार्यों के प्रति उनका समर्पण समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जाता है।

सम्मान प्राप्त करने पर पाहवा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि उन सभी सहयोगियों, समाजसेवियों और संस्थाओं का सम्मान है, जो निस्वार्थ भाव से समाज की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजसेवा उनके लिए केवल कार्य नहीं, बल्कि जीवन का संकल्प है।

पाहवा ने आयोजन समिति और बियॉन्ड द थर्ड आई न्यूज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा और जनकल्याण के कार्य पूरी निष्ठा से जारी रहेंगे। हरिद्वार के दोनों समाजसेवियों को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान क्षेत्र की सामाजिक संस्थाओं और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है।

चारकोप में फर्जी कॉलसेंटर से ठगी का आरोप, दो गिरफ्तार; दो की तलाश

मुंबई के चारकोप में एप्पल और अमेजन के नाम पर कथित ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया और चार लैपटॉप समेत सामान जब्त किया।

मुंबई। कांदिवली पश्चिम के चारकोप इलाके में एप्पल और अमेजन जैसी कंपनियों का ग्राहक सेवा प्रतिनिधि बनकर लोगों से कथित तौर पर ठगी करने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी एक फर्जी ग्राहक सेवा केंद्र चला रहे थे, जहां से भारत और विदेशों में लोगों को फोन किए जाते थे। मामले में दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस ने यह कार्रवाई चारकोप के भाबरेकर नगर स्थित एक्मे एवेन्यू में की। चारकोप पुलिस थाने में 27 अक्टूबर 2026 को मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मौके से चार लैपटॉप, नौ चार्जर, नौ हेडफोन, चार मोबाइल फोन और फोन पर बात करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बातचीत की रूपरेखा वाली एक डायरी जब्त की है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 31 वर्षीय आसिफ हनीफ कुरैशी और 40 वर्षीय स्मार्ट पी. जॉन के रूप में हुई है। कुरैशी मालवणी, मालाड पश्चिम का रहने वाला बताया गया है, जबकि जॉन का पता चारकोप के भाबरेकर नगर स्थित एक्मे एवेन्यू का दर्ज है। इस मामले में शाहरुख शेख और सिमरन सिंह उर्फ सिमरन रंधावा को भी आरोपी बताया गया है। दोनों फिलहाल पुलिस की तलाश में हैं।

कंपनियों का प्रतिनिधि बनकर करते थे फोन

पुलिस का आरोप है कि आरोपी एप्पल और अमेजन की ग्राहक सेवा से जुड़े कर्मचारी बनकर लोगों से संपर्क करते थे। फोन पर ग्राहकों को उनके खाते या सामान की आपूर्ति से जुड़ी परेशानी बताकर उनसे पैसे मांगे जाने की आशंका है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि लोगों को किस तरह अपने जाल में फंसाया जाता था और कथित ठगी में कितनी रकम शामिल है। मामले से जुड़ी शुरुआती जानकारी के अनुसार, ग्राहकों की शिकायतों से जुड़ी जानकारी हासिल कर उसका इस्तेमाल किए जाने का भी संदेह है। हालांकि, यह जानकारी किस तरह जुटाई गई, कितने लोगों को निशाना बनाया गया और कितनी रकम वसूली गई, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

कई उपकरण जब्त, जांच जारी

पुलिस ने मौके से मिले कंप्यूटर उपकरणों, मोबाइल फोन और बातचीत की रूपरेखा वाली डायरी को जांच के लिए जब्त किया है।

सर्दियों में आपकी सेहत



इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्द्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छाछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है। यह खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।
- प्रात- एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।
- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रात- व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुल्ला कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।
- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।
- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।
- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आँवला आदि का सेवन करना चाहिए।
- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द दाल का लड्डू, गन्ना रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।
- चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।
- ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नीबू पानी और भोजन के पश्चात छाछ पीना लाभदायक होता है।
- इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ । अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नीबू और ताजा दही वर्जित नहीं है।
- शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।
- सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।
- मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।



स्वस्थ रहने के आसान उपाय



सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौडऩा, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियां चक्की पीसना,,रस्सीकूदना, पानी भरना, झाड़ू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रात- टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूंगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसम्मी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्तता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हंसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूंग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूंगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी ईलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियां खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूं, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे भर बाद पानी पियें । भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रात- उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छाछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छाछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव मौसम्मी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मैथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहां तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ



स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी मां के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परि?वर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकदक, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियां तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती है। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग, साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफौंडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माइंड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।



लाभदायक है सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन



सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते है और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते है। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएं जानें वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरूस्त रखने में मदद करते है। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्त्व पाएं जाते है पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते है जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते है। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर अजवायन



- अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएं। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएं।
- मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएंगे।
- जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

घर के कामकाज से कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यूं तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ कभी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।



एप्पल ने लॉन्च किया पहला टचस्क्रीन मैकबुक-प्रो

भारत में 9 नवंबर से उपलब्ध, कीमत 3.49 लाख से शुरू

मुंबई ।

दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने अपने प्रो एंड टेल इवेंट में पहला टचस्क्रीन मैकबुक प्रो लॉन्च कर सालों पुरानी रणनीति को बदल दिया है। ओएलईडी डिस्प्ले, नई एम5 चिप्स और टच जेस्चर के साथ, यह लैपटॉप सीधे स्क्रीन पर इंटरेक्शन का अनूठा अनुभव प्रदान करेगा। यह नया टचस्क्रीन डिस्प्ले यूजर्स को सीधे स्क्रीन पर डॉक्यूमेंट स्क्रॉल करने, तस्वीरों को जूम करने, ड्राइंग बनाने और कंटेंट एनोटेट करने की सुविधा देता है। पहली बार मैकबुक में आईफोन का लोकप्रिय फीचर डायनामिक आइलैंड भी शामिल किया गया है। लैपटॉप में प्रोएलईडी एक्सडीआर नाम का नया टेंडेम ओएलईडी डिस्प्ले है, जो बेहतर कलर एक्यूरेसी और 2,000 निट्स की पीक ब्राइटनेस का वादा करता है। यह एम5 प्रो और एम5 मैक्स चिप्स से संचालित होता है, जो वीडियो एडिटिंग, थ्रीडी रेंडरिंग और एआई वर्कलोड जैसे भारी कामों के लिए डिजाइन की गई हैं। इनमें एआई से संबंधित कामों के लिए न्यूरल एक्सीलरेटर भी दिए गए हैं। भारत में 14-इंच मॉडल की कीमत 3,49,900 और 16-इंच मॉडल की कीमत 4,09,900 रुपए रखी गई है। नया मैकबुक प्रो भारत में 9 नवंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। एप्पल का यह कदम कंपनी की पुरानी रणनीति से एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि स्टीव जॉब्स ने कभी टचस्क्रीन लैपटॉप को इस्तेमाल में असुविधाजनक बताया था।

एसीएमई सोलर का मुनाफा दोगुना, आय में रिकॉर्ड उछाल

बीईएसएस और नवीकरणीय विस्तार से लाभ को मिला बढ़ावा

नई दिल्ली ।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में शानदार वित्तीय नतीजे पेश किए। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 269 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 115 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। कंपनी की कुल आय 67.5 फीसदी बढ़कर 1,007 करोड़ रुपये रही, जिसका मुख्य कारण बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का विस्तार था। कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) भी 63.6त बढ़कर 874 करोड़ रुपये दर्ज हुई। तिमाही के दौरान, एसीएमई ने 2.1 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) की नई बीईएसएस क्षमता चालू की, जिससे उसकी कुल बीईएसएस क्षमता बढ़कर 5.2 जीडब्ल्यूएच हो गई। कंपनी ने इस अवधि में 184 करोड़ यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन भी किया। इस बीच कंपनी ने एनटीपीसी के साथ 400 मेगावॉट की फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) परियोजना के लिए 4.37 रुपये प्रति यूनिट की दर पर बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। यह समझौता एसीएमई मैरीगोल्ड ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से किया गया है, जिसकी बिजली आपूर्ति 30 जून, 2028 तक अपेक्षित है।

रिलायंस ने भंग की हैमलीज की छोटी फ्रेंचाइजिंग इकाई

ब्रिटेन में स्वैच्छिक पंजीकरण समाप्त करने का आवेदन स्वीकृत

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसकी अनुषंगी की अनुषंगी कंपनी हैमलीज (फ्रेंचाइजिंग) लिमिटेड को भंग किया जा रहा है। यह निर्णय ब्रिटेन में कंपनी के स्वैच्छिक पंजीकरण को समाप्त करने के आवेदन के बाद आया है, जिसकी नियामकीय सूचना जारी कर दी गई है। यह इकाई रिलायंस समूह के कुल कारोबार में नगण्य योगदान देती थी, इसलिए इसे बंद करने का फैसला लिया गया है। ब्रिटेन के कंपनी पंजीयक ने इस संबंध में आधिकारिक राजपत्र में एक नोटिस प्रकाशित किया है। इसके अनुसार, हैमलीज (फ्रेंचाइजिंग) लिमिटेड को 27 अक्टूबर, 2026 से कम से कम दो महीने बाद कंपनी रजिस्टर से हटाकर भंग कर दिया जाएगा।

वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2025 में हैमलीज (फ्रेंचाइजिंग) लिमिटेड का कारोबार 56.08 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कुल एकीकृत कारोबार का केवल 0.0048 प्रतिशत था। 31 दिसंबर, 2025 तक इसकी नेटवर्थ शून्य दर्ज की गई थी, जो इसके नगण्य महत्व को दर्शाता है। गौरतलब है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की अनुषंगी रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड ने जुलाई 2019 में ब्रिटिश खिलौना खुदरा विक्रेता हैमलीज का अधिग्रहण 6.79 करोड़ पाउंड (लगभग 620 करोड़ रुपये) में किया था। लंदन में 1760 में स्थापित हैमलीज दुनिया के सबसे पुराने खिलौना खुदरा ब्रांडों में से एक है। इस फ्रेंचाइजिंग इकाई को भंग करने से मुख्य हैमलीज ब्रांड के वैश्विक संचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 905 और निफ्टी 237 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 905.01 अंकों की शानदार उछाल के साथ बढ़कर 74,151.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स भी 237.90 अंकों की तेजी के साथ ही 22,936.75 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 लिस्टेड कंपनियों में से 26 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए, जबकि केवल 4 शेयरों में मामूली गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह, निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 39 शेयरों ने तेजी के साथ कारोबार समाप्त किया, जबकि 11 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए। यह दिखात है कि बाजार की तेजी किसी एक सेक्टर या कुछ शेयरों तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह व्यापक थी।

तेजी वाले शेयरों की बात करें तो अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के शेयरों में सबसे ज्यादा उत्साह देखने को मिला, जो 5.17 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक , पावर ग्रिड , एटरनल , बजाज फाइनेंस , भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में भी उछाल रहा। वहीं अन्य प्रमुख बढ़ने वाले शेयरों में टाइटन, एनटीपीसी , बीईएल , इन्फोसिस , आईटीसी, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा



आदि रहे। इस दौरान कुछ कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट के शेयर 1.44 फीसदी की सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए।

मारुति सुजुकी और , टेक महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 400.28 अंक की बढ़त दर्ज करते हुए 73,646.31 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 110.41 अंक चढ़कर 22,809.25 के स्तर पर बना हुआ था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुआ। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की नीतिगत घोषणा के बाद डॉलर में मामूली कमजोरी आने से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे मजबूत होकर 95.17 के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीदों के अनुरूप ब्याज दरों को 3.75 प्रतिशत से 4.00 प्रतिशत के दायरे में अपरिवर्तित रखा है। हालांकि, इस फैसले के बाद डॉलर पर हल्का दबाव देखने को मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें सुधार आया और यह 95.17 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर बंद हुआ। कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका में बॉण्ड प्रतिफल का मजबूत स्तर रुपये पर दबाव बनाए हुए है। हालांकि, करीब 721 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार, हाल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के प्रवाह में सुधार और भारतीय रिजर्व बैंक की बाजार में मौजूदगी रुपये को सहारा दे रही है।

मारुति सुजुकी का इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात 50,000 इकाई के पार

अगस्त 2025 से ई-विटारा की 50 देशों में धूम

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्यात के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अगस्त 2025 से अक्टूबर 2026 की अवधि के दौरान 50,000 से अधिक ईवी का निर्यात किया है, जो वैश्विक बाजारों में इसकी बढ़ती पकड़ और भारत के ईवी निर्यात में इसकी अग्रणी भूमिका को दर्शाता है।

कंपनी ने बताया कि अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान, भारत से हुए कुल इलेक्ट्रिक यात्री वाहन निर्यात में मारुति की हिस्सेदारी करीब 93 प्रतिशत रही। मारुति अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई-विटारा' का निर्यात ब्रिटेन, नॉर्वे, जर्मनी, जापान सहित करीब 50 देशों में कर रही है, जिसमें यूरोप इसका सबसे बड़ा बाजार है। 'ई-विटारा' का उत्पादन अगस्त 2025 में गुजरात स्थित हंसलपुर संयंत्र में शुरू हुआ था, जो सुजुकी के पहले वैश्विक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन का एकमात्र निर्माण केंद्र है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ हिसाशी ताकेउची ने इस वैश्विक विस्तार पर खुशी जताई। हाल ही में, हंसलपुर संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 10 लाख वाहन कर दी गई है, जो इसे सुजुकी का दुनिया का पहला ऐसा विनिर्माण संयंत्र बनाती है। कुल 25,288.7 करोड़ रुपये के निवेश से निर्मित इस संयंत्र ने वित्त वर्ष 2025-26 में मारुति के कुल वाहन निर्यात में लगभग आधी हिस्सेदारी निभाई।

एचयूएल का दूसरी तिमाही में 38 फीसदी उछाल का अनुमान

दमदार प्रदर्शन, रिकॉर्ड वॉल्यूम ग्रोथ के बावजूद ब्रोकरेज ने घटाया टारगेट

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बेहतरीन नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 2,790 करोड़ रुपए रहा, जबकि वॉल्यूम ग्रोथ 7 फीसदी दर्ज की गई, जो 21 तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। इन शानदार नतीजों के साथ, कंपनी ने 19 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड भी घोषित किया है। एचयूएल की नेट सेल्स में भी 14.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो 14 तिमाहियों का सबसे मजबूत प्रदर्शन है।

दमदार नतीजों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्मों ने बाजार की मौजूदा स्थिति और एफएमसीजी सेक्टर के वैल्यूएशन में गिरावट को देखते हुए एचयूएल के शेयर पर अपने टारगेट प्राइस घटा दिए हैं। नुवामा ने टारगेट 2,820 रुपए से घटाकर 2,510 रुपए और जेफरीज ने 2,450 रुपए से घटाकर 2,350 रुपए किया है, हालांकि दोनों ने बाय रेटिंग बरकरार रखी है।

इस तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते मार्जिन पर दबाव साफ दिखा। ग्रॉस मार्जिन 47.1 फीसदी और एबिटा मार्जिन 22.6 फीसदी रहा, जिसमें गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, होम केयर कारोबार ने 22 फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की, वहीं ब्यूटी एंड वेलबीइंग और फूड्स जैसे सेगमेंट में भी अच्छी बढ़ोतरी देखी गई।

कंपनी ने डव, वैसलीन जैसे प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर भी जोर दिया है। एचयूएल को उम्मीद है कि ग्रामीण मांग में सुधार और नए आउटलेट्स जोड़ने के प्रयासों से वित्त वर्ष 2026-27 में प्रदर्शन बेहतर होगा, और एबिटडा मार्जिन 22-24 फीसदी के दायरे में रहेगा।

एचयूएल का दूसरी तिमाही में 38 फीसदी उछाल का अनुमान

दमदार प्रदर्शन, रिकॉर्ड वॉल्यूम ग्रोथ के बावजूद ब्रोकरेज ने घटाया टारगेट

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बेहतरीन नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 2,790 करोड़ रुपए रहा, जबकि वॉल्यूम ग्रोथ 7 फीसदी दर्ज की गई, जो 21 तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। इन शानदार नतीजों के साथ, कंपनी ने 19 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड भी घोषित किया है। एचयूएल की नेट सेल्स में भी 14.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो 14 तिमाहियों का सबसे मजबूत प्रदर्शन है।

दमदार नतीजों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्मों ने बाजार की मौजूदा स्थिति और एफएमसीजी सेक्टर के वैल्यूएशन में गिरावट को देखते हुए एचयूएल के शेयर पर अपने टारगेट प्राइस घटा दिए हैं। नुवामा ने टारगेट 2,820 रुपए से घटाकर 2,510 रुपए और जेफरीज ने 2,450 रुपए से घटाकर 2,350 रुपए किया है, हालांकि दोनों ने बाय रेटिंग बरकरार रखी है।

इस तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते मार्जिन पर दबाव साफ दिखा। ग्रॉस मार्जिन 47.1 फीसदी और एबिटा मार्जिन 22.6 फीसदी रहा, जिसमें गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, होम केयर कारोबार ने 22 फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की, वहीं ब्यूटी एंड वेलबीइंग और फूड्स जैसे सेगमेंट में भी अच्छी बढ़ोतरी देखी गई।

कंपनी ने डव, वैसलीन जैसे प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर भी जोर दिया है। एचयूएल को उम्मीद है कि ग्रामीण मांग में सुधार और नए आउटलेट्स जोड़ने के प्रयासों से वित्त वर्ष 2026-27 में प्रदर्शन बेहतर होगा, और एबिटडा मार्जिन 22-24 फीसदी के दायरे में रहेगा।



घरेलू विमानन उद्योग को 38,000 करोड़ तक के घाटे का अनुमान

मुंबई।

भारतीय विमानन उद्योग को चालू वित्त वर्ष (2026-27) में 36,000 रुपए से 38,000 करोड़ रुपए तक का भारी घाटा होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने गुरुवार को यह चेतावनी जारी करते हुए बताया कि पिछले वित्त वर्ष (2025-26) के अनुमानित 28,000-30,000 करोड़ रुपए के घाटे की तुलना में यह नुकसान और बढ़ेगा, जो उद्योग के लिए बढ़ती चुनौतियों को दर्शाता है। इक्रा के मुताबिक, यात्री यातायात वृद्धि दर में नरमी, विमान ईंधन (एटीएफ) की लगातार बढ़ती कीमतें और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में तेज गिरावट के कारण विदेशी मुद्रा संबंधी नुकसान इस घाटे के प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा, फरवरी 2026 के अंत में पश्चिम एशिया में संभावित युद्ध शुरू होने से हवाई यात्री यातायात प्रभावित होने की आशंका है। एजेंसी ने विमानों की लगातार आपूर्ति के कारण पट्टा किराये में वृद्धि को भी एयरलाइन कंपनियों की लागत बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारक बताया है। इन चुनौतियों के बावजूद, एयरलाइन कंपनियां अपनी लागत में हुई इस बढ़ोतरी की भरपाई के लिए हवाई किराये में पर्याप्त वृद्धि नहीं कर पा रही हैं, जिससे उनके वित्तीय प्रदर्शन पर गहरा दबाव बना हुआ है और घाटे की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

निखिल द्विवेदी की सफ़ॉन मैजिकवर्क्स को बड़ी राहत-आईएमपीपीए अवॉर्ड निरस्त

मुंबई ।

फिल्म निर्माता निखिल द्विवेदी की प्रोडक्शन कंपनी सफ़ॉन मैजिकवर्क्स को बॉम्बे हाईकोर्ट से महत्वपूर्ण कानूनी राहत मिली है। न्यायमूर्ति अरिफ एस. डॉक्टर ने 23 अक्टूबर, 2026 को इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए) द्वारा 3 जुलाई, 2026 को पारित अवॉर्ड को निरस्त कर दिया। इस निर्णय से न्यायालय के समक्ष लंबित वाद और सभी संबंधित आवेदनों का निस्तारण हो गया है। न्यायालय ने आईएमपीपीए की विवाद निवारण समिति द्वारा पारित अवॉर्ड को रद्द करते हुए टिप्पणी की कि एसोसिएशन अपनी ही समिति द्वारा पारित अवॉर्ड के निरस्त होने पर स्वयं को पीड़ित पक्ष के रूप में प्रस्तुत नहीं कर सकती। न्यायालय ने उल्लेख किया कि नोटिस की तामील होने के बावजूद आईएमपीपीए कार्यवाही के दौरान उपस्थित नहीं हुई, जो उसके रुख को कमजोर करता है।

यह आदेश 9 सितंबर, 2026 को जारी अंतरिम निर्देश के बाद आया है, जिसमें आईएमपीपीए को विवादित अवॉर्ड के आधार पर सफ़ॉन मैजिकवर्क्स को डिफॉल्टर घोषित करने से रोक दिया गया था। सफ़ॉन मैजिकवर्क्स ने आईएमपीपीए के इस अवॉर्ड को चुनौती दी थी, क्योंकि इससे



कंपनी को संभावित प्रतिकूल परिणामों का सामना करना पड़ सकता था।

विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के दम पर चमका औद्योगिक उत्पादन

विनिर्माण में 7.6 फीसदी और बिजली आपूर्ति में 11.2 फीसदी की वृद्धि ने संभाली कमान



नई दिल्ली ।

भारत के औद्योगिक क्षेत्र ने सितंबर 2026 में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। हाल में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। इस तेजी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्रों की भूमिका अहम रही, जो देश की आर्थिक गतिविधियों में निरंतर मजबूती का संकेत है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी त्वरित अनुमानों के अनुसार, सितंबर 2026 में ढुढ्ढक बढ़कर 124.3 पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 116.5 था। इस वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र की 11.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। हालांकि, अगस्त 2026 में दर्ज 8 प्रतिशत की वृद्धि दर के मुकाबले सितंबर में यह गति कुछ धीमी रही, फिर भी समग्र प्रदर्शन उत्साहजनक रहा। विनिर्माण क्षेत्र के भीतर, कुल 23 उद्योग समूहों में से 17 ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर निर्माण क्षेत्र ने 19 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की, जिसमें ऑटो कंपोनेंट्स, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन ने अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, इलेक्ट्रिकल उपकरण निर्माण क्षेत्र में 33.9 प्रतिशत और रबर एवं प्लास्टिक उत्पाद निर्माण क्षेत्र में 19.9 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी देखी गई। इलेक्ट्रिकल उपकरणों में स्विचगियर, सर्किट ब्रेकर और ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टर्स जैसे उत्पादों की मांग में उछाल आया।

फेड ने स्थिर रखीं ब्याज दरें, महंगाई पर पैनी नजर

फेडरल रिजर्व ने अक्टूबर बैठक में थामीं दरें; दिसंबर में बढ़ोतरी की अटकलें

नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अक्टूबर की अपनी मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दरों को 3.75-4 फीसदी के दायरे में अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है।

यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में लगातार ऊंची महंगाई दर अभी भी एक बड़ी चुनौती है, हालांकि फेड ने अर्थव्यवस्था को पहले से मजबूत बताया है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने 10-2 के बहुमत से दरें स्थिर रखने का निर्णय लिया। सितंबर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह ठहराव आया है। केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया है कि वह अगला बदलाव करने से पहले महंगाई और रोजगार के नए आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेगा।

फेड चेयरमैन केविन वार्श ने दिसंबर की अगली बैठक के लिए कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है, लेकिन कुछ अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि दिसंबर में 0.25 फीसदी की और बढ़ोतरी हो



सकती है।

ब्याज दरों में बदलाव का अर्थव्यवस्था और बाजार पर सीधा असर पड़ता है। ऊंची ब्याज दरें कर्ज महंगा करती हैं, जिससे खर्च व निवेश घटता है, और महंगाई नियंत्रित होती है। हालांकि, यह शेयर बाजारों पर दबाव डाल सकता है। अमेरिकी फेड के इन फैसलों का असर भारत सहित वैश्विक बाजारों पर भी पड़ता है। यदि अमेरिका में दरें ऊंची रहती हैं या और बढ़ती हैं, तो विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से पूंजी निकाल सकते हैं, जिससे सेंसेक्स-निफ्टी पर दबाव बढ़ सकता है।

जुपिटर वैगन्स को रेलवे से मिला 1,140 करोड़ का ऑर्डर

कोलकाता ।

भारतीय रेलवे की बढ़ती माल ढुलाई क्षमता को मजबूती देते हुए जुपिटर वैगन्स लिमिटेड को रेल मंत्रालय से 1,140 करोड़ रुपये का एक अहम ऑर्डर मिला है। इस सौदे में कंपनी 2,583 अत्याधुनिक वैगन का विनिर्माण करेगी, जिससे देश की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को गति मिलेगी। जुपिटर वैगन्स को बॉक्स एनएचएल और बॉक्स एनएस श्रेणी के वैगन बनाने का ठेका मिला है, जिसकी जानकारी कंपनी ने गुरुवार को दी। यह ऑर्डर राष्ट्रीय रेल योजना के तहत माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने के सरकार के लक्ष्य के अनुरूप है। कंपनी को निजी माल ढुलाई ऑपरेटरों, वैगन लीजिंग कंपनियों और प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के ग्राहकों से भी लगातार ऑर्डर मिल रहे हैं, जिससे उसकी ऑर्डर बुक मजबूत बनी हुई है। कंपनी को वित्त वर्ष 2026-27 की चौथी तिमाही तक



करीब 2,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऑर्डर मिलने की उम्मीद है।



उदिति सिंह के साथ रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे करण वाही

बिग बॉस 20 में उदिति सिंह लगातार एक्टर करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर बात करती रहती हैं। वह शो में अपने ब्रेकअप की वजह भी बता चुकी हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि करण ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया था और उनके डॉगी को भी गलत तरीके से ट्रीट किया था। अब करण वाही ने इस पूरे मामले पर खुद चुप्पी तोड़ी है। एक्टर ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे। करण ने उन अटकलों पर भी विराम लगाया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ब्रेकअप से पहले दोनों की शादी होने वाली थी।

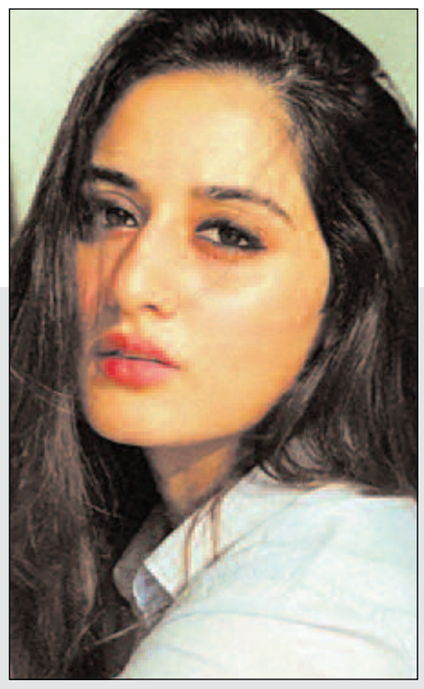
करण वाही ने बातचीत में उदिति सिंह के साथ अपने रिश्ते और ब्रेकअप की वजह पर बात की। उन्होंने बताया कि जब दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया, तब वह करीब 33 साल के थे और जिंदगी के उस पड़ाव पर थे, जहां किसी रिश्ते में आने से पहले उसके भविष्य के बारे में सोचना जरूरी मानते थे। करण के मुताबिक, वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाने के इरादे से आगे बढ़े थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि दोनों की शादी की तारीख या कोई पक्की योजना तय हो चुकी थी।

शादी का इरादा था, लेकिन कोई पक्की योजना नहीं थी

करण वाही ने बताया कि उदिति को डेट करते समय उनके मन में शादी का विचार था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने उन्हें डेट करना शुरू किया, तब मैं 33-34 साल का था। इसलिए, मैं ऐसी उम्र में था जहां मेरा सोचना था कि अब अगर मैं किसी रिश्ते में आता हूं, तो वह शादी में बदलना चाहिए। वरना, मुझे ऐसा कोई रिश्ता नहीं चाहिए।' करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते को लेकर शादी की योजना बनने की खबरें सही नहीं थीं। लॉकडाउन के दौरान दोनों ने साथ समय बिताया था और अपने भविष्य को लेकर बातचीत भी की थी, लेकिन इसे शादी तय होने के रूप में देखना गलत होगा। एक्टर ने कहा कि उनका इरादा रिश्ते को शादी तक ले जाने का था, जिसे लोगों ने शायद इस तरह समझ लिया कि दोनों जल्द शादी करने वाले थे।

करण वाही ने ब्रेकअप की वजह पर की बात

उदिति सिंह से अलग होने के कारण पर बात करते हुए करण ने कहा कि दोनों एक-दूसरे के साथ उतने अनुकूल नहीं थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे के साथ उतने कम्पेटिबल नहीं थे। कम से कम मेरे लिए तो यही सच है।' करण ने उन अटकलों को भी खारिज किया कि उनके माता-पिता के दखल या आपत्ति की वजह से रिश्ता खत्म हुआ था। दोनों की उम्र में करीब 10 साल का अंतर भी उनके रिश्ते को लेकर चर्चा का विषय रहा था, लेकिन करण ने इसे ब्रेकअप की वजह साफ नहीं की।



उदिति के लिए मन में नहीं है कड़वाहट

करण वाही ने बातचीत में यह भी साफ किया कि उदिति से अलग होने के बाद उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। भले ही उनका रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया, लेकिन वह बीते समय को लेकर कोई शिकायत नहीं रखते। करण ने उदिति के प्रति सकारात्मक भाव जाहिर करते हुए कहा कि वह उनके लिए खुश हैं। करण के इस बयान के बाद उनके और उदिति के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं में एक नया पहलू सामने आया है। एक्टर ने स्पष्ट किया कि रिश्ता शादी के इरादे से शुरू हुआ था, लेकिन दोनों के बीच अनुकूलता की कमी के कारण वह आगे नहीं बढ़ पाया।



एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर ने टीवी शो 'वसुधा' के बारे में दी अपडेट

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो 'वसुधा' में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा।

शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, ''दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैंस के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे।'' प्रिया ने कहा, ''शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैंस के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूलरी और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है।



म्यूजिकल लव स्टोरी में बनी आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री तारा सुतारिया जल्द ही बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। दोनों फिल्म निर्माता भूषण कुमार की आगामी इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में लीड रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। वहीं, शिव चानना को-प्रोड्यूसर के तौर पर फिल्म से जुड़े हैं। बता दें कि यह फिल्म प्यार, भावनाओं और संगीत से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि दर्शकों को आदित्य और तारा की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने को मिलेगी।

पहली बार साथ नजर आएंगे आदित्य और तारा

आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड में अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए खास पहचान रखते हैं। 'आशिकी 2' जैसी फिल्म में उनके अभिनय और रोमांटिक अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वहीं तारा सुतारिया भी अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में दोनों को एक इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

टी-सीरीज के साथ तारा का तीसरा प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट में तारा 'मरजावां' के बाद भूषण कुमार और मिलाप मिलन जवेरी के साथ फिर से काम कर रही हैं । उन्होंने पहले भी टी-सीरीज के साथ 'एक विलेन रिटर्न्स' में काम किया था और अब यह बैनर के साथ उनका तीसरा काम है। एक रॉ और इमोशनल लव स्टोरी के सेंटर में, इस फिल्म का मकसद लड़ाई और हाई-स्टेक ड्रामा के बैकग्राउंड में रोमांस को दिखाना है।

कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

निर्माताओं की योजना के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होगी और इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म के आधिकारिक नाम और रिलीज डेट की घोषणा होना बाकी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की यह नई रोमांटिक जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों का दिल जीतने में कितनी सफल होती है।





'रामायण' के कर्नाटक डिस्ट्रीब्यूशन की कमान संभालेंगे यश!

'रामायण' में रावण के किरदार में नजर आने वाले रॉकिंग स्टार यश अब सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, पर्दे के पीछे भी मचाएंगे धमाल! नमित मल्होत्रा के साथ फिल्म के प्रोड्यूसिंग पार्टनर यश की कंपनी मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग अब कर्नाटक में फिल्म की रिलीज की जिम्मेदारी संभालेगा। रावण बनकर बड़े पर्दे पर छाने की तैयारी कर रहे रॉकिंग स्टार यश का 'रामायण' से जुड़ाव अब एक्टिंग और प्रोडक्शन से भी आगे बढ़ गया है। मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग कर्नाटक में इस मेगा प्रोजेक्ट की रिलीज की कमान संभालने जा रहा है। यानी यश अब सिर्फ अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों को दीवाना नहीं बनाएंगे, बल्कि अपनी कंपनी के जरिए इस महागाथा को कर्नाटक के दर्शकों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। डिस्ट्रीब्यूशन विंग की शुरुआत के साथ मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने प्रोडक्शन से आगे बढ़ते हुए अपने बिजनेस का दायरा बढ़ाया है। भारतीय सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में शामिल 'रामायण' को बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में यह एक अहम कदम है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय महाकाव्य की दो हिस्सों में पेश की जाने वाली भव्य सिनेमाई गाथा है। शानदार स्टारकास्ट और बड़े स्केल पर तैयार हो रही यह फिल्म सदियों पुरानी कहानी को नए सिनेमाई अंदाज में बड़े पर्दे पर जीवंत करने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज को देश और दुनिया के अलग-अलग बाजारों में पहुंचाने के लिए बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान सोनी पिक्चर्स संभालेगा, जबकि करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस उत्तर भारत में फिल्म को रिलीज करेगी। दिल राजू आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की जिम्मेदारी संभालेंगे, वहीं कर्नाटक में मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग मोर्चा संभालेगा।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'जॉन डो' में अर्जुन दास निभाएंगे 'चंद्रू' का किरदार

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे अर्जुन दास निर्देशक मधुमिता की आगामी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' में 'चंद्रू' नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने इसका खुलासा किया। अर्जुन दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा अपना फर्स्ट लुक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, ''नान पोधुमा? (क्या मैं पर्याप्त हूं?)' यह एक सवाल है जो चंद्रू को लगातार परेशान करता है। शायद यह वह सवाल है जो हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा है। उसकी तलाश में कहीं न कहीं मुझे खुद का भी एक हिस्सा मिला। 'जॉन डो' की दुनिया के चंद्रू से मिलिए। यह फिल्म नवंबर में आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का लेखन और निर्देशन मधुमिता ने किया है। फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स ने किया है और इसे एजीएस सिनेमाज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म में संचना नटराजन मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा श्रुष्टि, जारा विनीत चांधोके और निरव भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों और सिनेप्रेमियों में कई कारणों से उत्सुकता बनी हुई है। सबसे खास बात यह है कि अर्जुन दास अपने करियर में पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स कर रही है, जिसने पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' का भी निर्माण किया था। फिल्म को शोभू यारलागड्डा और प्रसाद देविनेनी प्रोड्यूस कर रहे हैं। किशोर केदारी और मधुमिता इसके सह निर्माता हैं, जबकि सौम्या शर्मा क्रिएटिव प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत मानी जा रही है। इसका संगीत प्रसिद्ध संगीतकार मुजीब माजीद ने तैयार किया है, जबकि अतिरिक्त संगीत द आर्टिस्ट 404 ने दिया है। फिल्म की कहानी और पटकथा मधुमिता और निकोलस शेवेलियर ने मिलकर लिखी है। सिनेमैटोग्राफी प्रीथा जयरामन ने की है और संपादन विजय वेंकटरमणन ने संभाला है। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस दिनेश सुब्बारायन और एक्शन संतोष ने तैयार किए हैं। प्रिया करन और प्रिया हैरी ने कॉस्ट्यूम डिजाइन किए हैं, जबकि अश्विनी काले ने प्रोडक्शन डिजाइन का काम संभाला है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म लगभग तैयार है और निर्माता इसे इस साल नवंबर में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

